जिनकी सैनिक केन्द्रों और नदी घाटी परियोजनाओं से छंटनी की गई थी ; और

(ख) उनके नये वेतन पुराने वेतनों की तुलना में कम है या अधिक ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) सैनिक केन्द्रो से छटनी के कारण निकाले गये ४१६ व्यक्तियों में से १६७ व्यक्तियों को जिनके नाम १ अप्रैल, १६५७ से स्पेशल रजिस्टर में दर्ज थे, दूसरी जगह काम दिला दिया गया है ।

दामोदर घाटी योजना के अधीन काम करने वाले ४१० पद मुक्त कर्मचारियों में से १६३ व्यक्तियों को, जिनके नाम या तो रजिस्टर में पहले से दर्ज थे, या १ अप्रैल, १६५७ से रजिस्टर मे दर्ज हुये, दूसरी जगह काम दिला दिया गया है ।

(ख) इन कर्मचारियों और उनके नये नियोजको के बीच वेतन सम्बन्धी समझौते की जानकारी प्राप्त नही है ।

काम दिलाऊ दफ्तर

६२६. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रिहान्द बाध, चम्बल घाटी परियोजना और कोयना बाध के क्षेत्रो मे काम-दिलाऊ दफ्तर चलाने में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) कितने काम दिलाऊ दफ्तर कहा-कहा अब तक खोले जा चुके हैं ;

(ग) इनके द्वारा अब तक कितने व्यक्तियों को काम मिल चुका है ; और

(घ) इन काम दिलाऊ दफ्तरो में कितने व्यक्ति काम करते है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) भारत सरकार ने रिहान्द और कोयना बांध के क्षेत्रों में नियोजन कार्यालय खोले जाने की स्वीकृति दे दी है । राज्य सरकारों से कहा गया है कि जितनी जल्दी हो सके वे इन क्षेत्रो में नियोजन कार्यालय खोलने की व्यवस्था क ।

मध्य प्रदेश और राजस्थान की चम्बल घाटी परियोजना क्षेत्र मे कर्मचारियों के नाम दर्ज करने तथा नियुक्ति के लिये नाम भेजने की तारीखों की जांच हो रही है ।

(ख) तथा (ग). अभी तक कोई नियोजन कार्यालय नहीं खोला गया है ।

(घ) जिला नियोजन कार्यालय अथवा परियोजना नियोजन कार्यालयो में काम करने के लिये एक अफ़सर और तीन क्लर्क नियुक्त किये जाते है ।

अम्बर चर्खा

६२७. **श्री रा० रा० मिश्र** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश के लोगों को अम्बर चर्खे को अनुपूरक काम के रूप में बताने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : अम्बर चर्खा कार्यक्रम खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन की मार्फत अमल में लाया जाता है । अम्बर चर्खे को अनुपूरक रोजगार के रूप में लोकप्रिय करने के लिये नीचे लिखे कदम उठाये गये है :—

(१) पत्रिकाओं, प्रदर्शनियों और डाकूमेण्टरी फिल्मो आदि के द्वारा प्रचार करना ।

(२) उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अम्बर चर्खे मे सुधार करने के लिये गवेषणा करना ।

(३) उत्पादन और बिक्री व्यवस्था सम्बन्धी बहुत से उपाय करना